तापमान

अधिकतम 40 डिग्री

न्यूनतम 25 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

4 राज्य से आए तकनीकी अधिकारी ने परखी मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता

खबर संक्षेप

सीएमएचओ का निरीक्षण गुणवत्ता पर जोर

मनेन्द्रगढ़। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे द्वारा नवीन मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान डॉ.खरे ने निर्माण कार्य की गति को तेज करने एवं गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न होने देने के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण के पश्चात सीएमएचओ द्वारा सिविल अस्पताल, मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, दवा वितरण कक्ष एवं साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर एवं उपचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर लिए गए निर्णय

मनेन्द्रगढ़। मनेन्द्रगढ़ में जीवनदीप समिति की बैठक एसडीएम एवं समिति अध्यक्ष लिंगराज सिदार के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्रीय अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में जनसुविधाओं को बेहतर बनाने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से स्वच्छता बनाए रखने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैगा पारा में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

मनेन्द्रगढ़। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत पराडोल अंतर्गत बैगा पारा में ग्रामीणों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छ जीवनशैली अपनाने एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा हितग्राहियों को शौचालय निर्माण के महत्व से अवगत कराया गया तथा खुले में शौच से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। ग्रामीणों को समझाया गया कि शौचालय का नियमित उपयोग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह पूरे समुदाय को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभियान के दौरान गर्मी में फैलने वाली बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का छाया, कसरा गांव में पसरा मातम

तेज रफ्तार बस ने पल भर में छीन ली युवक की जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

तेज रफ्तार का कहर एक परिवार की खुशियां पल भर में उजाड़ गया। तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे कसरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि हादसा इतना भयावह था कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उसकी जिंदगी थम गई। इस दर्दनाक दुर्घटना ने दो मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया छीन लिया, वहीं परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शुक्रवार को सुबह शहर से लगे ग्राम भॉडी मुख्य मार्ग पर बस की चपेट में आने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया, वहीं दुर्घटना कारित करने वाले बस को जब्त कर लिया। दुर्घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल को सुबह करीब पौने दस बजे बस क्रमांक सीजी 15 एबी 0765 के चालक ने ग्राम भॉडी में तिराहा के पूर्व मुख्य मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही बाइक को ठोकर मार दी। इस घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम कसरा निवासी राजेश साहू उम्र 30 वर्ष के रूप में की गई। युवक भारतीय जनता युवा मोर्चा का कार्यकर्ता एवं जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी भी रहा। बताया जाता है कि मृतक लवली मोटर्स शो रूम में वाहन चालक के पद पर कार्य करता था और प्रतिदिन की भॉति घटना दिवस शुक्रवार को अपने काम पर घर से आ रहा था कि कार्य स्थल पहुंचने के पूर्व ही सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया।

दुर्घटनाकारित बस।

परिवार के साथ युवक।

बाइक।

मृत युवक।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

शुक्रवार को घटित सड़क दुर्घटना में ग्राम कसरा निवासी राजेश साहू की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से परिवार में दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा, इस घटना ने पत्नी से उसकी जिंदगी छिन ली, वहीं छोटे-छोटे दो मासूमों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया। परिजन और ग्रामीण स्तब्ध हैं। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनके भविष्य को लेकर चिंता गहरा गई है। मृतक अपने घर का इकलौता कमाउ सदस्य था और प्रतिदिन की भॉति घटना दिवस वह अपने काम पर ही आ रहा था। युवक का लंच टिफिन बाक्स भी बाइक में ही टंगा हुआ था, जिसे देखकर लोगों का मन काफी विचलित भी हुआ।

काम पर निकले पिता अब कभी नहीं लौटेंगे

शहर के निकट ग्राम भॉडी में 24 अप्रैल को तेज रफ्तार बस ने पल भर में एक जिंदगी छिन ली, वहीं परिवार को बेसहारा कर दिया। घटना की जानकारी से ही मृतक के परिवार को मिला तो सभी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। पत्नी बदहवास हो गई, लेकिन घटना से अंजान मासूमों को कुछ भी समझ नहीं आ रहा था कि अब उनके पिता कभी घर नहीं लौटेंगे।

तेज रफ्तार पर लगाम की जरूरत

ग्रामीणों ने हादसे के लिए तेज रफ्तार और लापरवाही को जिम्मेदार बताते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बेलगाम रफ्तार पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है, ताकि इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। एक पल की लापरवाही ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी।

केशगवां में मिली 1755 की अनमोल धरोहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक अहम पहल के तहत कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी शुक्रवार को सोनहत ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम केशगवां पहुंची, जहां उन्होंने वर्ष 1755-56 की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपि का अवलोकन किया।

- कलेक्टर ने खुद किया डिजिटल संरक्षण

भोजपत्र और कपड़े पर अंकित इस पांडुलिपि को मौके पर ही ज्ञान भारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण ऐप पर डिजिटल रूप से अपलोड किया गया। यह पांडुलिपि पंडित रघुवर प्रसाद शर्मा एवं प्रकाश शर्मा के परिवार द्वारा पीढ़ियों से सहेजकर रखी गई है। परिवार ने बताया कि यह धरोहर उनके पूर्वजों के समय से विरासत के रूप में संरक्षित है और इसकी पूजा भी की जाती है। पांडुलिपि में प्राचीन सनातनी मंत्र, ऐतिहासिक दस्तावेज, नक्शे, प्रशासनिक अभिलेख, निमंत्रण पत्र और उत्सवों से जुड़े विवरण शामिल हैं, जो उस समय की सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था की झलक प्रस्तुत करते हैं।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने इस धरोहर को इतने वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए परिवार की सराहना करते हुए कहा कि यह जिले की समृद्ध परंपरा और ज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि 70 वर्ष या उससे अधिक पुरानी हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी प्रशासन को अवश्य दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्ञान भारतम सर्वेक्षण पूरी तरह स्वैच्छिक है और इससे पांडुलिपियों के स्वामित्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मूल दस्तावेज संबंधित व्यक्ति के पास सुरक्षित रहेंगे, जबकि उनकी डिजिटल स्कैनिंग या प्रतिलिपि तैयार कर संरक्षित किया जाएगा। इस सर्वे कार्य में वाल्मीकि दुबे का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने इस काम को लगातार कर रहे हैं।

मुर्गा नहीं देने पर आदिवासी से मारपीट

सोनहत। विकासखंड के ग्राम कुशमाहा में मामूली बात पर एक आदिवासी ग्रामीण के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मुर्गा नहीं देने पर कुछ लोगों ने एक आदिवासी व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल पीड़ित का उपचार अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम कुशमाहा निवासी रामभगत उरांव उम्र 45 के साथ 20 अप्रैल की रात लगभग 11 बजे गांव के ही कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई। आरोप है कि भोले, संतोष, हरभजन सहित अन्य लोगों ने रामभगत से मुर्गा की मांग की थी। मांग पूरी नहीं होने पर आरोपियों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। घटना के वक्त गांव में शादी-विवाह का कार्यक्रम चल रहा था। पीड़ित की पत्नी मानकुंवर उरांव ने बताया कि घटना के बाद घायल रामभगत को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना थाने में दी गई है, लेकिन आरोप है कि घटना के बाद भी संबंधित लोग घर पहुंचकर परिवार के अन्य सदस्यों को धमका रहे हैं और प्रताड़ित कर रहे हैं। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि आदिवासी परिवार के साथ हुए इस अमानवीय कृत्य पर प्रशासन को गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दोषियों पर उचित कार्रवाई हो।

मुकुंदरपुर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम

बैकुण्ठपुर। जिले के विकासखंड खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत मुकुंदरपुर में बाल विवाह मुक्त छग अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के निर्देशानुसार किया गया। इसमें काफी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह की कुप्रथा पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसे समाज के लिए घातक बताते हुए जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह न केवल एक गंभीर सामाजिक बुराई है, बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है।

विपक्ष का स्वार्थ वाला चेहरा सभी के सामने आया: संजूदेवी

प्रेसवार्ता में उपस्थित महापौर व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम ऐतिहासिक सुधार को लेकर विश्राम गृह बैकुंठपुर में प्रेसवार्ता किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप कोरबा नगर निगम महापौर संजूदेवी राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, महिला मोर्चा जिला मंत्री ऑचल सिंह परमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। महापौर संजूदेवी राजपूत ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति भारतीय सभ्यता के हजारों सालों के इतिहास के साथ ही भारत लोकतंत्र की जननी है। भारत के पास इस सफर में एक नया पहलू जोड़ने का मौका था। हम देश की आधी आबादी को नीति-निर्धारण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए वह नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए थे। हमने सभी सांसदों से आग्रह किया था कि वे इस मौके को हाथ से न जाने दे। हम सब मिलकर देश को एक नई दिशा देने के लिए तैयार थे। यह भारत की नारी शक्ति के लिए एक महायज्ञ था। हमें विश्वास था कि इस महायज्ञ का नतीजा न केवल राजनीति का भविष्य बल्कि देश की दिशा और नियति भी तय करेगा लेकिन स्वार्थी विपक्ष, जिसने 30 साल तक राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हमारी महिलाओं की भागीदारी देने में देरी की।

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा की प्रेसवार्ता

एक बार फिर इस देश की महिलाओं को निराश किया है। उन्होंने अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की बेचैनी में, स्वार्थ एक बार फिर सामने आया और महिलाओं के हितों को एक बार फिर दरकिनार कर दिया गया। हमें इस विषय को लेकर स्पष्ट होना चाहिए कि विपक्ष ने क्या होने से रोका है। उन्होंने सबसे ऊंचे स्तर पर भारतीय महिलाओं के पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कमजोर किया है। उन्होंने हमारे देश की महिलाओं को टेबल पर सीट मिलने से रोककर अपने राजनैतिक स्वार्थ की रक्षा की। उन्होंने ने कहा कि यह कोई राजनैतिक विषय नहीं था, ऐसा कभी नहीं ⏭ शेष पेज 4 पर

उपन्यास यक्षिणी आगामी 23 मई को होगा विमोचित

जिपं सीईओ के उपन्यास का मुख्य पृष्ठ विमोचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर अंचल के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बीच जिपं सीईओ डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी के पहले उपन्यास यक्षिणी का मुख पृष्ठ अनावरण समारोह गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।

बैकुंठपुर में स्थित होटल गंगाश्री के सभागार में आयोजित इस साहित्य प्रसंग में जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने अपर कलेक्टर सुरेन्द्र वैद्य, डीडी मंडावी, एसडीएम उमेश पटेल और परिजन के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। इस आयोजन में पूरे सरगुजा अंचल के कई प्रतिष्ठित साहित्यकार, पत्रकार उपस्थित रहे। लेखक से सदन में खुली चर्चा के क्रम में वरिष्ठ साहित्यकार सतीश उपाध्याय, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, रामचरित द्विवेदी, श्रीमती संध्या रामावत, श्रीमती अनीता तिवारी, संवर्त कुमार, गजलकार ताहिर आजमी, सुनील शर्मा आदि ने भी अपने प्रश्न रखकर आयोजन को नई गति प्रदान की। इस समारोह में एमएम चतुर्वेदी, श्रीमती गीता चतुर्वेदी, श्रीमती अनन्या, योगेश शुक्ला, ⏭ शेष पेज 4 पर

विमोचन में उपस्थित लोग।

कार्यदायित्वों के बीच लेखन वाकई प्रेरणास्पद

मुखपृष्ठ अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि बीते समय में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए पूरी प्रशासनिक टीम ने लगातार अथक परिश्रम किया है, इसके बाद समय निकालकर देर रात तक इस तरह से एक उपन्यास का लेखन वाकई बेहद प्रेरणादायक और सराहनीय है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि डॉ.आशुतोष का यह लेखन कर्म उनकी रचनाधर्मिता की रूचि के प्रति कठोर अनुशासन और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगामी उपन्यास यक्षिणी के लिए डॉ.आशुतोष को शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

जेईई मेंस परीक्षा में डीएवी स्कूल के चार विद्यार्थियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के वरिष्ठ विज्ञान एवं गणित शिक्षकों के मार्गदर्शन में सत्र 2025-26 की कक्षा बारहवीं, गणित संकाय सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित प्रतिभाशाली विद्यार्थी साक्षी जायसवाल 94 पर्सेंटाइल,रूद्र प्रताप सिंह 85 पर्सेंटाइल तथा सत्र 2024-25 की कक्षा बारहवीं गणित संकाय से उत्तीर्ण विद्यार्थी श्रेयश सिंह 98.6 पर्सेंटाइल व श्रेयांश कुमार ने 84 पर्सेंटाइल के साथ जेईई मेंस परीक्षा 2026 में शानदार सफलता अर्जित कर जेईई एडवांस परीक्षा 2026 के लिए पात्रता हासिल कर ली है,इन विद्यार्थियों ने अटूट लगन, दृढ़ - इच्छाशक्ति एवं कठोर परिश्रम करते हुए उपर्युक्त परीक्षा में बेहतरीन कामयाबी हासिल कर अपने माता-पिता एवं डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर को गौरवान्वित किया है। स्कुल की प्राचार्या श्रीमती अनामिका भारती ने उक्त परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अथक परिश्रम,लगन और सही दिशा में सार्थक प्रयास से किसी भी बड़े लक्ष्य को साधा जा सकता है।

पेंशनर्स को 3 फीसदी लंबित मंहगाई राहत एरियर्स भुगतान के आदेश जारी

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने बताया कि प्रांताध्यक्ष चेतन भारती ने वर्ष 2021 में उच्च न्यायालय में छठवें वेतनमान का 32 माह एवं सातवें वेतन मान का 27 माह के लंबित एरियर्स भुगतान के लिए वाद दायर किया था। न्यायालय ने पेंशनर्स के पक्ष में निर्णय देते हुए 120 दिनों में लंबित एरियर्स का भुगतान करने का आदेश दिया है। जिससे दोनों प्रांतों के पेंशनर्स पक्ष में बड़ा फैसला आया है। हाल में ही एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद सरकार ने पेंशनर्स के 3 फीसदी लंबित मंहगाई राहत के आदेश जारी किया है जिससे प्रदेश के दो लाख पेंशनर्स लाभान्वित हुए हैं।

एसएसपी ने दिवंगत आरक्षक के पुत्र को दी आरक्षक के पद अनुकम्पा नियुक्ति

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने दिवंगत आरक्षक के पुत्र नितेश मिंज को गुरूवार को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किया है। उन्होंने बताया नितेश मिंज के पिता गणेश मिंज आरक्षक के पद पर सूरजपुर में पदस्थ थे। नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर आईजी दीपक कुमार झा ने अनुकंपा नियुक्त के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकंपा नियुक्ति संबंधी सभी कार्रवाई जल्द पूरी करते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए थे। गुरूवार को नितेश मिंज को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है।

5 मवेशी भरे बोलेरो को ग्रामीणों ने पकड़ा, वाहन छोड़ फरार हुए सवार

सेदम। जिले में गौ तस्करी करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गौ तस्कर प्रशासन के आंख में धूल झोंक कर बुलेरो में पशुओं को ठूस ठूस कर बूचड़ खाना ले जाया जा रहा है। गत दिन भी भूचड़खाना ले जा रहे मवेशी भरे वाहन को पकड़ा। हालांकि मवेशी तस्कर वाहन छोड़ मौके से फरार हो गए। बतौली थाना क्षेत्र में लगातार गौ तस्करों के वाहन खराब होने पर गोवंश की तस्करी का मामला उजागर हुआ है। अब तक 2 पिकअप ,1 स्कॉर्पियो सहित अब बोलेरो वाहन पशुओं से भरे हुए ग्रामीणों को मिला है जहां पशु क्रूरता अधिनियम की धज्जियां उड़ाते तस्कर बड़ी बेरहमी से 3 बैल ,1 गर्भवती गाय सहित बछड़े को बुलेरो में भरा राष्ट्रीय राजमार्ग 43 देवरी के पास सड़क किनारे पाया गया जहां तस्कर ग्रामीणों को चकमा देकर मौके से फरार हो गए । बजरंग दल के विजय यादव, मोनू तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुचे और ग्रामीण की सहयोग से बोलेरो वाहन से गोवंश को आजाद कराया। बैल की स्थिति देख तत्काल उपचार कराया। साथ ही घटना की सूचना पुलिस को दी। मामले में पुलिस द्वारा फरार गौ तस्करों की तलाश शुरू कर दी है।

केतका सर्किल में तीन दिनों से धधक रहीं आग

सूरजपुर के जंगल में भीषण आग वन संपदा और वन्य जीवन संकट

जंगील झाड़ियों में लगी आग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मानीचौक

भीषण गर्मी ने जहां अब अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है वहीं अब आगजनी की घटनाएं भी बढ़ने लगी है।

खास बात

- जंगल के बड़े हिस्से में पाया गया काबू

ऐसे में पृथ्वी के जीवन चक्र का अहम आधार जंगल न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि वन्य जीवों का आश्रय, जलवायु नियंत्रण का साधन और मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन का प्रमुख स्त्रोत भी हैं। ऐसे में जंगलों में लगने वाली आग न सिर्फ पेड़-पौधों को ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा नुकसान पहुंचाती है। वन परिक्षेत्र केतका सर्किल जंगल में लगी आग अब वन कर्मियों के लिए बड़ी चुनौती बन गई। तीन दिन बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

सूरजपुर वन परिक्षेत्र के केतका सर्किल अंतर्गत सूरजपुर मार्ग स्थित परसा नाला के आसपास का जंगल इन दिनों भीषण आग की चपेट में है। पिछले तीन दिनों से लगातार धधक रही आग ने जंगल के बड़े हिस्से को अपनी लपटों में ले लिया है। आग के कारण क्षेत्र में खड़े पेड़-पौधे तेजी से जल रहे हैं, वहीं यहां रहने वाले वन्य जीवों की जान पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक आग का फैलाव लगातार बढ़ता जा रहा है और दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता है। हालांकि वन विभाग के फील्ड कर्मचारी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें सफलता नहीं मिल पाई है। आग पर नियंत्रण पाने में सबसे बड़ी बाधा जंगल में मौजूद सूखी वनस्पति और झाड़ियां बन रही हैं, जो आग को तेजी से फैलने में मदद कर रही हैं। बताया जा रहा है कि जंगल में बड़ी मात्रा में सूखे पौधे और कांटेदार झाड़ियां मौजूद हैं, जिससे आग बुझाने में कठिनाई हो रही है। विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन आग की तीव्रता कम होने के कोई स्पष्ट संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। कर्मचारी आग पर जल्द काबू पाने के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने की कोशिश में है जिससे जंगल में लगी आग पर काबू पाया जा सके।

कुंवरपुर के पहाड़ी जंगल में भीषण आग, इलाके में मचा हड़कंप

लखनपुर। लखनपुर क्षेत्र से लगे ग्राम पंचायत कुंवरपुर के कर्मपाट पहाड़ में बुधवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पहाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। सूखी पत्तियों, घास और झाड़ियों की अधिकता के कारण आग तेजी से फैल रही है। ऐसे में आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आग की ऊंची लपटें और घना धुआं आसपास के गांवों और शहर के कई हिस्सों से साफ दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग का रुख कुंवरपुर के कर्मपाट देव स्थल की ओर बढ़ता नजर आ रहा है, जिससे धार्मिक स्थल को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। घटना की सूचना सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा संबंधित विभागों को दे दी गई है। हालांकि वन विभाग के टीम पहुंची है लेकिन आज पर बुझाने में सफलता नहीं पाई आज भी क्षेत्र में आग जल रहे हैं स्थानीय ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। इस आगजनी से पर्यावरण, वन्य जीवों और क्षेत्र की तेंदूपत्ता कर जो की ग्रामीण क्षेत्र का आर्थिक रूप से मजबूत करता है उसे भी भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

आग से वन्यजीवों और पर्यावरण को भारी खतरा

जंगल में लगी आग से न केवल सैकड़ों पेड़-पौधे जलकर राख हो रहे हैं, बल्कि वहां के वन्य जीवों का जीवन भी संकट में पड़ गया है।जंगलों में आग लगने से स्थानीय परिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात लगता है, जिसका असर वर्षों तक महसूस किया जा सकता है। हालांकि वन कर्मी वन्य जीव को सुरक्षित रखने के लिए आग लगे क्षेत्र से दूसरे ओर भगाने लगे है जिससे आग की चपेट मे आने से बच सके और सुरक्षित रहे।

महुआ पेड़ जंगल के अस्तित्व के लिए खतरनाक

ग्रामीणों को समृद्धि देने वाले महुआ के पेड़ ही अब जंगल के अस्तित्व के लिए खतरनाक साबित हो रहे है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही ग्रामीण परिवार के साथ जंगल में महुआ बीनने पहुंच जाते है। महुआ बीनने में परेशानी न हो इसे लेकर ग्रामीण पेड़ के नीचे बिखरे पत्तों में आग लगा देते है जो जंगल में आग लगने की प्रमुख कारण है। पेड़ के नीचे पत्तों में लगाए गए आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लेता है और धीरे धीरे पूरे जंगल में फैल जाता है। वन अमला बुझाने की कोशिश करता है लेकिन आग के वृहद हो जाने से सफल नहीं हो पाते।

जल्द आग पर पा लेंगे काबू

आग बुझाने के लिए बिट के सभी कर्मचारी लगे हुए है, हालांकि आग बुझाने में अभी पूरी तरह सफलता नहीं मिली है। घने जंगल की ओर को क्लियर किया जा चुका है। जंगल में कांटेदार पौधे काफी घना है, पत्तियां भी सूखे पड़े है इसलिए आग तेजी से फैल रहा है। आग बुझाने का प्रयास लगातार जारी है। जल्द ही आग पर काबू पा लेंगे।

-देवेंद्र राजवाड़े
बिट प्रभारी

करौटी नर्सरी में लगी आग हजारों पौधे जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के करौटी स्थित वन नर्सरी में अचानक भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन आगजनी से हजारों छोटे-बड़े पौधे जलकर पूरी तरह खाक हो गए।

बताया जा रहा है कि यह पौधा प्लांट वन विभाग द्वारा लाखों रुपये की लागत से तैयार कराया गया था, जहां पौधारोपण के लिए बड़ी संख्या में पौधे तैयार किए जा रहे थे। आग लगते ही देखते ही देखते पूरे प्लांट आग की चपेट में आ गया जिससे तैयार पौधे जकर तरह नष्ट हो गए। पौधा प्लांट खैरा-चोगा-कोल्हुआ मुख्य मार्ग के समीप बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया था। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते क्षेत्र में आग फैल गई। स्थानीय ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा और सूखी घास के कारण आग तेजी से फैलती गई। घटना की सूचना पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। परंतु तब तक काफी देर हो चुकी थी और लाखों रुपये की वन संपदा जलकर नष्ट हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि तेज गर्मी, सूखी वनस्पति या लापरवाही इसकी वजह हो सकती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा वन विभाग को हुए नुकसान की भरपाई सुनिश्चित की जाए।

आपूर्ति घटने से ड्राई हुए कई पेट्रोल पंप

अम्बिकापुर। पेट्रोल एवं डीजल की किल्लत से जूझ रहे सरगुजा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने इस बड़ी समस्या के प्रति कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराया है तथा ज्ञापन सौंप समस्या के निवारण हेतु हस्तक्षेप करने की मांग की है।

ज्ञापन सौंप कलेक्टर से हस्तक्षेप करने की मांग

पदाधिकारियों ने बताया कि सरगुजा में डीजल एवं पेट्रोल की आपूर्ति अत्यंत सीमित हो गई है तथा अधिकांश पेट्रोल पंप ड्राई हो गए हैं। यह समस्या दिनों दिन गहराते जा रही है। सरगुजा संभाग प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र है तथा खदानों में उत्पादित कोयले के परिवहन हेतु बड़ी संख्या में ट्रकों का उपयोग होता है। ट्रक कोयले को विद्युत उत्पादन संयंत्रों में पहुंचाते हैं। डीजल-पेट्रोल की कमी होने के कारण कोयला एवं विद्युत उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना है। कृषि क्षेत्र में भी सिंचाई के लिए डीजल का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में डीजल उपलब्ध नहीं होने के कारण कृषि क्षेत्र पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पर्याप्त मात्रा में डीजल-पेट्रोल की आपूर्ति नहीं करने के कारण इस तरह की स्थिति निर्मित हुई है। एसोसिएशन ने कलेक्टर से मामले में हस्तक्षेप करने एवं डीजल-पेट्रोल की नियमित एवं पर्याप्त आपूर्ति के लिए पहल करने की मांग की है ताकि परिवहन एवं कृषि कार्य सुचारू रूप से संचालित होता रहे।

एसईसीएल बिश्रामपुर में धरा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं सहभागिता अभियान के अंतर्गत 'धरा शक्ति' कार्यक्रम का आयोजन उन्नति क्लब में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कोल उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना तथा उन्हें ऑपरेशनल एवं टेक्निकल क्षेत्रों में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

सीएमडी एसईसीएल हरीश दूहन के विजन के अनुरूप कंपनी मुख्यालय बिलासपुर द्वारा गठित समिति की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुजाता रानी (महाप्रबंधक, मा.सं./अधी.स्था., बिलासपुर) सहित सदस्य बीएमएस से संजय कुमार सिंह,एचएमएस से बजरंगी शाही एटक से श्रीमती रूबी कुमारी इंटक से संदीप कुमार राय, सीटू से सुश्री शोभना मिश्रा एवं श्रीमती अंकिता सीएमओएआई प्रतिनिधि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक ने अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र की 10वीं उत्तीर्ण 37 महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें से 20 महिलाओं ने ऑपरेशनल एवं टेक्निकल क्षेत्र में प्रशिक्षण लेने की सहमति जताई। उपस्थित जनों ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कंपनी के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि इस पहल से भविष्य में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों संजय कुमार शिंदे,अमरेंद्र नारायण, वी.सी. चतुर्वेदी, हरेंद्र तिवारी, विक्रम सिंह दहिया एवं संजय कुमार की सक्रिय भूमिका रही।

बिजुरी में कांग्रेस नेता अजय का आत्मीय स्वागत

बिजुरी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल बुधवार को अनूपपुर जिले के प्रवास पर पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की। इसी क्रम में वे बिजुरी नगर पहुंचे, जहां गौ संवर्धन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. व्हीपीएस चौहान के निवास पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चार माह बाद भी किसानों एवं मजदूरों का नहीं हुआ भुगतान, 27 को करेंगे शक्कर कारखाना का घेराव

प्रतापपुर। गन्ना किसानों और मजदूरों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ गया है। विगत चार माह से भुगतान लंबित होने के कारण आक्रोशित किसानों और श्रमिकों ने 27 अप्रैल को मां महामाया शक्कर कारखाना का घेराव और तालाबंदी करने की चेतावनी दी है। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य सुरेश कुमार आयाम के नेतृत्व में किसानों एवं मजदूर ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है।

कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया गया है कि गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों और कारखाने में कार्यरत मजदूरों को पिछले चार महीनों से भुगतान नहीं हुआ है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। परिवार के भरण-पोषण से लेकर बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जरूरतों तक का संकट गहराता जा रहा है। इस संबंध में 8 अप्रैल को पहले ही शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें 15 दिनों के भीतर भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की गई थी। किसानों ने यह भी मांग रखी थी कि कारखाने में गन्ना किसानों द्वारा मनोनीत अध्यक्ष का निर्वाचन किया जाए, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान प्रभावी तरीके से हो सके। लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसानों और मजदूरों में भारी असंतोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि समय पर भुगतान नहीं होने से वे कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। कई किसानों ने अपनी फसल उधार लेकर तैयार की थी, लेकिन भुगतान नहीं मिलने से वे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। वहीं मजदूरों की स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है, जिनके सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। किसान एवं मजदूरों ने जल्द भुगतान किए जाने की मांग की है। साथ ही भुगतान नहीं होने पर 27 अप्रैल को शक्कर कारखाना का घेराव कर तालाबंदी करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन सौपने के दौरान नवीन जायसवाल, त्रिभुवन सिंह, मासूम इराकी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम कसकेला में सीसी रोड बनाने के बाद स्थापित बिजली पोल नहीं हटाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

विकासखंड सूरजपुर के ग्राम पंचायत कसकेला में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत बनाई गई सीसी सड़क अब ग्रामीणों के लिए खतरे का रास्ता बन चुकी है।

अवरापारा देवालय से लेकर टिंबर घर तक एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के रूप में इस सड़क का निर्माण वर्ष 2025 में नाबार्ड की सहायता से स्वीकृत हुआ था। उद्देश्य साफ था कि गांव के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा देना, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही और विभागीय उदासीनता ने इस उद्देश्य को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त निर्माण कार्य के दौरान सबसे बड़ी चूक यह हुई कि सड़क के बीचों-बीच लगे बिजली पोल को हटाने या शिफ्ट करने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। जिससे आज यह पोल सड़क के बीच खड़ा होकर राहगीरों के लिए जानलेवा बाधा बन गया है। दिन में तो किसी तरह लोग बच-बचाकर निकल जाते हैं, लेकिन जैसे ही अंधेरा होता है, यह पोल दिखाई देना मुश्किल हो जाता है और हादसे का खतरा कई गुना

बढ़ जाता है।दोपहिया वाहन चालक, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और मवेशियों के साथ चलने वाले ग्रामीण हर दिन इस खतरे से जूझ रहे हैं। लोगों का कहना है कि निर्माण शुरू होने से पहले ही उन्होंने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों को आगाह किया था कि सड़क के बीच खड़े पोल को हटाकर ही काम शुरू किया जाए। लेकिन जिम्मेदारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और जल्दबाजी में निर्माण पूरा कर दिया। आज वही लापरवाही ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। कई बार लोग इस पोल से टकराते-टकराते बचे हैं, जिससे गांव में भय का माहौल है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत किए जा रहे इस निर्माण कार्य में इतनी बड़ी खामी का सामने आना विभागीय कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

शिक्षकों के समर्पण से ही होगा शिक्षा का सशक्त निर्माण : लक्ष्मी राजवाड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर/बिश्रामपुर

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के भविष्य निर्माता होते हैं और उनके समर्पण से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही वह आधारशिला है, जिस पर किसी भी सशक्त एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण होता हैऔर इस आधारशिला को मजबूती प्रदान करने का कार्य शिक्षकों के कंधों पर है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इसी प्रकार नवाचार एवं लगन के साथ कार्य करते रहें, ताकि बच्चों का शैक्षणिक स्तर निरंतर ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मंत्री ने सम्मानित हुए समस्त शिक्षकों से कहा कि ऐसे सम्मान समारोह शिक्षकों के उत्साह एवं मनोबल को बढ़ाकर उन्हें और बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में कार्यरत शिक्षक सीमित संसाधनों के बावजूद भी उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं, जो सराहनीय है। उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें नैतिक शिक्षा, अनुशासन एवं जीवन कौशल से भी जोड़ें, ताकि वे एक बेहतर एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें। जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले में शिक्षा के क्षेत्र में हो रही प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के सतत प्रयासों एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन से शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है। जिले में नवाचार, नियमित मूल्यांकन एवं विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दौरान मुरली मनोहर सोनी, अजय गोयल, राजेश यादव, दीपेंद्र सिंह चौहान, हरिश राजवाड़े, दीपक गुप्ता, कैलाश सिदार, रवि शंकर बउवा, रितेश जायसवाल, सतीश तिवारी, मनी बग्गा, सत्यनारायण जायसवाल, श्यामू साहू, श्रीमती अनीता सहित अन्य उपस्थित रहे।

कीटनाशक पीने से ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत

अम्बिकापुर। कीटनाशक पीने से गंभीर हुए ग्रामीण की उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार बतौली थाना अंतर्गत ग्राम तिरंग कोरकोटपारा निवासी दुहन राम आ. राम सिंह (46 वर्ष) 19 अप्रैल को परिजन पड़ोस में हो रहे शादी में शामिल होने गए थे। इसी दौरान ग्रामीण अज्ञात कारण से घर में रखे कीटनाशक को पी लिया। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन दुहन को बतौली अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने ग्रामीण की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान ग्रामीण की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

युवक को जिंदा जलाने के मामले का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

पस्ता थाना क्षेत्र में एक युवक को जिंदा जलाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है।मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी अनिश मिंज (22 वर्ष), निवासी डीपाडीहखुर्द थाना शंकरगढ़, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज है।घटना में मृतक करण बेक (20 वर्ष), निवासी डीपाडीहखुर्द बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते करण बेक पर तारपीन तेल डालकर लाइटर से आग लगा दी थी। घटना के बाद घायल करण बेक को पहले डुमरखोला में प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे रायपुर स्थित डी.के.एस. अस्पताल रेफर किया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मर्ग जांच, मरणासन्न कथन, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के

खिलाफ गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया। जांच के दौरान आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जन्मेजय पाण्डेय सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जवान के सीक्वल में नजर आएंगे शाहरुख, स्क्रिप्टिंग का काम पूरा

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है। इसी बीच खबर है कि 'किंग'के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है। और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

लाइफ Style

सारा

धुरंधर 2 की यलीना अब बनेंगी मधुबाला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वालीं मधुबाला की बायोपिक की चर्चा कई साल से हो रही है। इसके लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए, पर किसी पर भी मुहर नहीं लगी। अब इसके लिए 'धुरंधर' की यलीना यानी सारा अर्जुन का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। यानी उनकी लॉटरी लग गई है।

कहा जा रहा है कि वह मधुबाला पर बन रही बायोपिक में उनका किरदार निभाएंगी। उनका नाम मधुबाला की बायोपिक के लिए कन्फर्म है। इस बायोपिक को जसमीत के रीन डायरेक्ट करेंगी, जबकि संजय लीला भंसाली प्रोड्यूसर हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक की शूटिंग जुलाई से शुरू होगी। धुरंधर और धुरंधर 2 के बाद इसे सारा अर्जुन के कॅरियर की अहम फिल्म माना जा रहा है, जो उनके कॅरियर को एक नई दिशा देगी। सारा अर्जुन वैसे तो बचपन से फिल्मों में काम कर रही हैं, पर धुरंधर ने उन्हें रातोंरात जबरदस्त स्टारडम दिलाया है। मधुबाला की बायोपिक की बात करें, तो यह कई साल से अटकी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बजट की कमी के कारण इसे कई बार देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में यह ट्रैक पर लौट आई। अहम मोड़ तब आया जब संजय लीला भंसाली बतौर प्रोड्यूसर मधुबाला की बायोपिक से जुड़े। वहीं ,जसमीत के रीन डायरेक्टर हैं, जिन्होंने विजय वर्मा और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' डायरेक्ट की थी। बताया जा रहा है कि सारा अर्जुन ने मधुबाला की खूबसूरती, गरिमा और पर्दे पर उनकी उपस्थिति को हूबहू उतारने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी है।

हॉलीवुड मसाला

गर्लफ्रेंड संग सैर करते दिखे

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर हैरी स्टाइल्स और अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस जोई क्राविट्स की सगाई की खबरें तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गईं। क्या सच में हैरी और जोई ने सगाई की है? कुछ दिन पहले हैरी स्टाइल्स अपनी गर्लफ्रेंड जोई क्राविट्ज के साथ लंदन में सैर करते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो को गौर से देखने पर फैंस को पता चला कि जोई ने एक अंगूठी पहनी है। यह अंगूठी उस फिंगर में थी सिसमें सगाई की अंगूठी पहनी जाती है।

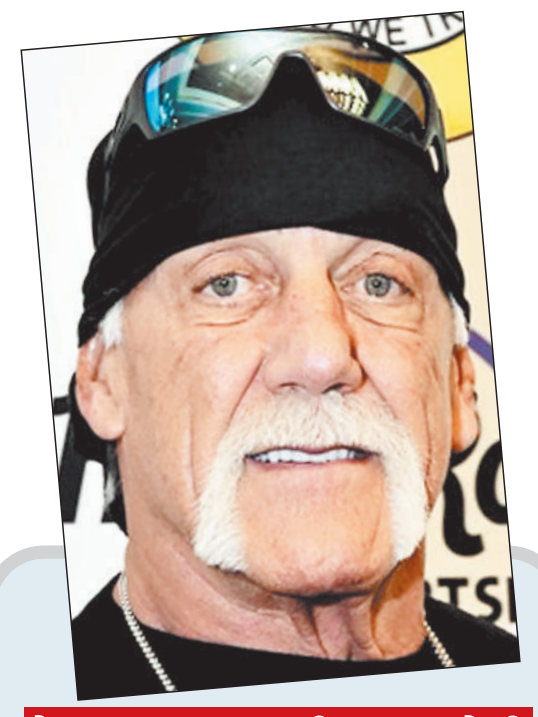

रेसलर हल्क की डॉक्यूमेंट्री में सामने आया दर्दनाक सच

लॉस एंजिल्स। रेसलिंग लीजेंड हल्क होगन की डॉक्यूमेंट्री रिलीज हुई है। हाल ही में उन्होंने अपनी इस डॉक्यूमेंट्री पर चर्चा की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया था जब वे सुसाइड करने वाले थे। रेसलिंग की दुनिया के दिग्गज हल्क होगन की जिंदगी का एक बेहद इमोशनल और मुश्किल दौर अब सामने आया है। उनकी नई डॉक्यूमेंट्री 'हल्क होगनः रियल अमेरिकन' में उन्होंने अपने जीवन के सबसे कठिन समय के बारे में खुलकर बात की है। हल्क होगनः रियल अमेरिकन की इस 4-एपिसोड की सीरीज में हल्क होगन का आखिरी इंटरव्यू भी दिखाया गया है, जो उनके जुलाई 2025 में 71 साल की उम्र में निधन से पहले लिया गया था। इसमें उन्होंने बताया कि अपनी शादी टूटने के दौरान वह इतने टूट गए थे कि उन्होंने सुसाइड तक के बारे में सोचा था।

पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

मुंबई। अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही एक बातचीत में सोनम ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है।

गवर्नरः द साइलेंट का पोस्टर जारी...

मुंबई। गुरुवार को मनोज बाजपेयी ने अपना 57वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनकी आने वाली फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' का फर्स्ट लुक सामने आया है। फिल्म को विपुल अमृतलाल शाह प्रोड्यूस करेंगे। जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी। विपुल शाह द्वारा रिलीज किए गए फिल्म 'गवर्नर' के पोस्टर में काफी सस्पेंस नजर आ रहा है। पहले पोस्टर में एक हरी कुर्सी दिख रही है। जो किसी मंत्रालय या अधिकारिक ऑफिस की लग रही है। इस पोस्टर में फिल्म की कहानी या किरदारों से जुड़ी कोई जानकारी नहीं है। इसके साथ ही एक लाइन लिखी हुई है। 'ये सिर्फ कुर्सी नहीं.. जिम्मेदारी है।' वहीं फिल्म के दूसरे पोस्टर में मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं। वो फॉर्मल ड्रेस में हैं।

टीवी मसाला

सपने वर्सेस एवरीवन-2 का ट्रेलर रिलीज दोगुना हुआ किरदारों का संघर्ष

नई दिल्ली। सपने वर्सेस एवरीवन 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। लगभग 4 साल पहले एक सीरीज सपने वर्सेस एवरीवन रिलीज हुई थी। इस सीरीज में दो ऐसे लोगों की कहानी थी जो समाज के दोगले रवैया का शिकार हैं, इसके बावजूद वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं। दूसरे सीजन में भी इस सीरीज के किरदारों का संघर्ष खत्म नहीं हुआ है, यह दोगुना हो चुका है। क्या इस बार उन्हें अपनी मंजिल मिलेगी? या फिर उनके सपने टूट जाएंगे? 'सपने वर्सेस एवरीवन 2 के ट्रेलर में कहानी को लेकर काफी अंदाजा दर्शकों को सकता है। सपने वर्सेस एवरीवन 2 के ट्रेलर में सीरीज के दोनों मुख्य किरदार अपने सपनों को पूरा करने के सफर पर निकलते हैं। लेकिन, सपने कहां आसानी से पूरे होते हैं, इनके सपने अब नई मुश्किलें हैं। क्या यह मुश्किलें इन्हें तोड़ देंगी, मौत की दहलीज पर लाकर खड़ा कर देंगी? इन सब सवालों के जवाब सीरीज के रिलीज होने के बाद पता चलेगा। सीरीज 'सपने वर्सेस एवरीवन 2' अगले महीने रिलीज होगी। यह सीरीज 1 मई से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी। इस सीरीज में पहले सीजन के कई कलाकार फिर से नजर आएंगे। अंबरीश वर्मा, पमरवीर चीमा, विजयंत कोहली दूसरे सीजन में भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

तुलसी का राज बरकरार, अनुपमा फिर पीछे

नई दिल्ली। पिछले कई हफ्तों से टीआरपी लिस्ट में स्मृति ईरानी का सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' पहले नंबर पर कब्जा जमाए बैठा है। 15वें हफ्ते में भी पहले नंबर पर यही सीरियल है। दूसरे नंबर पर वसुधा सीरियल को जगह मिली है, इसकी टीआरपी 15वें हफ्ते में 1.8 है। जबकि 14वें हफ्ते में इस सीरियल की टीआरपी 1.9 थी और ये तब भी दूसरे नबंर पर था। वहीं, 15वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में तीसरे नंबर पर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है का नाम शामिल है। इसे 1.8 की टीआरपी मिली है। 14वें हफ्ते में यह सीरियल टॉप 5 में शामिल नहीं था। रुपाली गांगुली के सीरियल अनुपमा की बात करें तो वह 15वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर है। 'अनुपमा' सीरियल को 1.8 की टीआरपी मिली है। 14वें हफ्ते में इस सीरियल को 1.7 की टीआरपी मिली है। ऐसे में देखा जाए तो नए हफ्ते में इसकी टीआरपी बढ़ी है। 15वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में पांचवें नंबर पर सीरियल 'क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं' है। 14वें हफ्ते में भी यह सीरियल इसी पोजिशन पर था। दोनों ही हफ्तों में इसकी टीआरपी 1.7 की रही है।

बीआर से बोले थे महबूब - मत बनाओ तांगे वाले की फिल्म, लुट जाओगे...

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के यादगार फिल्म निर्माताओं की बात करें तो वह लिस्ट बीआर चोपड़ा के बिना अधूरी होगी। बलदेव राज चोपड़ा, यानी बीआर चोपड़ा साहब ने अपने कॅरियर में कई यादगार फिल्में दीं, लेकिन उनकी 1957 में रिलीज फिल्म 'नया दौर' से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा आज भी चर्चा में रहता है। यह वही फिल्म है, जिसकी कहानी शुरुआत में कई बड़े फिल्मकारों को पसंद नहीं आई थी, जिनमें मशहूर निर्देशक महबूब खान भी शामिल थे। बीआर चोपड़ा का इंडस्ट्री में योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने नई दिशा देने के साथ ही गंभीर विषयों पर आधारित कहानियों से दर्शकों तक पहुंचाया। साल 1998 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहब फाल्के अवार्ड, से सम्मानित किया गया।

एक तांगा चलाने वाले की जिंदगी की कहानी

बीआर चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'नया दौर' की कहानी उन्हें उनके दोस्त और लेखक एफ.ए. मिर्जा ने सुनाई थी। यह कहानी इंसान और मशीनों के बीच संघर्ष पर आधारित थी, जिसमें एक तांगा चलाने वाले की जिंदगी को केंद्र में रखा गया था। उस दौर में यह विषय काफी अलग और जोखिम भरा माना जाता था।

कई फिल्ममेकर्स ने कहानी को कर दिया खारिज

दिलचस्प बात यह है कि इस कहानी को पहले कई नामी फिल्ममेकर्स को सुनाया गया, लेकिन सभी ने इसे खारिज कर दिया। किसी ने इसे डॉक्यूमेंट्री जैसा बताया, तो किसी ने बकवास कहकर नकार दिया। यहां तक कि महबूब खान ने भी इस कहानी को पसंद नहीं किया और इसे तांगे वाले की कहानी कहकर नजरअंदाज कर दिया। इसके बावजूद बीआर चोपड़ा को इस कहानी में दम नजर आया। उन्होंने तय किया कि वह इस पर फिल्म जरूर बनाएंगे।

कहानी और मेसेज के कारण खास पहचान बनाई : फिल्म रिलीज होने के बाद जो हुआ, वह इतिहास बन गया। 'नया दौर' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई और सिनेमाघरों में लंबे समय तक चली। फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया और अपनी कहानी और मेसेज के कारण खास पहचान बनाई। फिल्म की सफलता के बाद जब इसकी सिल्वर जुबली मनाई जा रही थी, तब महबूब खान ने बीआर चोपड़ा को फोन कर कहा, 'चीफ गेस्ट के तौर पर किसे बुला रहे हो?' फिर कहा, 'मैं ही चीफ गेस्ट के रूप में आ जाता हूं।'

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंचे विवेक और शमिता, लिया आशीर्वाद

मुंबई। अभिनेता विवेक ओबेरॉय और शमिता शेट्टी ने तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के दर्शन किए। दोनों सितारों ने पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर परिसर में घूमते हुए भगवान श्री वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया। शमिता शेट्टी गुलाबी रंग की साड़ी में मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। वहीं, विवेक ओबेरॉय भी पारंपरिक वेशभूषा में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने मंदिर गए। सफेद धोती के साथ उन्होंने लाल रंग का अंग वस्त्र धारण किया। मंदिर परिसर में विवेक ओबेरॉय और शमिता शेट्टी ने तस्वीरें क्लिक कराईं। विवेक ओबेरॉय के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में प्रभास और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मेकर्स ने हाल ही में विवेक के किरदार का एक नया लुक जारी किया था। इसमें विवेक गहरे रंग का चोगा पहने, आंखों पर धूप का चश्मा लगाए और हाथ में तलवार लिए दिखे। उनका लुक फैंस को बहुत रहस्यमयी और दमदार लगा। इस फिल्म में ऐश्वर्या देसाई भी नजर आएंगी।

खूब सुना जाता है ये पुराना गीत, दिल को देता है सुकून

48 साल बाद भी कल्ट बना हुआ किशोर और लता का गाना

यादगार गीत

हिंदी सिनेमा के उम्दा गायकों के तौर पर किशोर कुमार और लता मंगेशकर ने अपनी पहचान बनाई थी। दोनों के निधन के बाद भी इनके गानों को आज भी श्रोता खूब सुनते हैं। इस बीच हम आपको लता दीदी और किशोर दा के जिस गाने के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे 1978 में आई फिल्म डॉन के लिए इन दोनों ने एक साथ मिलकर गाया था। अमिताभ बच्चन और जीनत अमान पर फिल्माए गए उस सॉन्ग का नाम- जिसका मुझे था इंतजार... था।

आशा ने गाया था ये गाना

किशोर कुमार और लता मंगेशकर अलावा डॉन फिल्म का एक गाना आशा भोसले ने भी गाया था। वह गीत ये मेरा दिल यार का दीवाना... था, जिसे आशा ताई ने अपनी मधुर आवाज दी थी।

नई दिल्ली। सुरों के सरताज किशोर कुमार और सुरों की कोकिला लता मंगेशकर हिंदी सिनेमा के दो दिग्गज गायक हुआ करते थे। अपने-अपने गायिकी के करियर में इन दोनों ने कई शानदार नगमों को मधुर आवाज के जरिए अमर किया, जिन्हें श्रोता आज भी सुनना पसंद करते हैं। इस आधार पर आज हम आपको किशोर दा और लता दीदी के एक यादगार गाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 48 साल पहले दोनों ने एक साथ मिलकर गाया था। 7 मिनट लंबा वह गीत आज भी लोगों की जुबान पर आसानी से आ जाता है।

बेहतरीन रोमांटिक सॉन्ग

48 साल पुराना किशोर कुमार और लता मंगेशकर का ये गाना आज भी हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन रोमांटिक सॉन्ग के तौर पर जाना जाता है। इस गीत के संगीतकार कल्याण जी और आनंद जी की जोड़ी थी, जबकि गीतकार की जिम्मेदारी अनजान जी ने निभाई थी और इस तरह जाकर डॉन का ये आइकॉनिक सॉन्ग बनकर तैयार हुआ। लता मंगेशकर नहीं, लेकिन किशोर कुमार अमिताभ की डॉन के अधिकतर गानों को अपनी आवाज दी थी, जिनमें ये गाने शामिल रहे- ये है बंबई नगरिया...., खाइके पान बनारस वाला....,अरे दीवानों मुझे पहचानो...।

खबर संक्षेप

सार्वजनिक स्थलों पर जल्द मिलेगी शीतल जल सुविधा

सोनहत। बढ़ती भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए मुख्यालय ग्राम पंचायत द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। चौक-चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जल्द ही लोगों को ठंडा पेयजल मुहैया कराया जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव रामलाल राजवाड़े ने बताया कि महादेव चौक, पुराना बस स्टैंड सहित अन्य प्रमुख आवाजाही वाले स्थलों पर शीतल पेयजल व्यवस्था के लिए तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि शीतल पेयजल के लिए मिट्टी के घड़े सहित आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था की जा रही है तथा उपयुक्त स्थलों का चयन भी किया जा रहा है।
पंचायत की इस पहल से स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने-जाने वाले लोगों को भी लाभ मिलेगा। भीषण गर्मी के बीच ग्राम पंचायत की इस पहल को जनहित में राहतभरा कदम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल सुविधा शुरू किए जाने की पहल का स्वागत किया है।

तकिया मजार में तीन दिवसीय सालाना उर्स 20 से

अम्बिकापुर। सद्भावना ग्राम तकिया स्थित बाबा मुरादशाह एवं मोहब्बत शाह का सालाना तीन दिवसीय उर्स 22 से मनाया जाएगा। अंजुमन कमेटी से सेक्रेटरी अफजल अंसारी ने बताया कि 20 मई को शाम 4 बजे जामा मस्जिद में धुमाल पार्टी एवं आतिशबाजी के साथ चादर संदल का जुलूस निकाला जाएगा। शहर भ्रमण करते हुए जुलूस तकिया मजार पहुंचेगा जहां संदल पेशी उपरांत तकरीर होगी तथा रात्रि 9 बजे ऑल इंडिया मुशायरा व कवि सम्मेलन होगा जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों के मशहूर शायर व कवि-कवयित्री शामिल होंगे। 21 एवं 22 मई को कव्वाली का मुकाबला होगा। सालाना उर्स में सरगुजा संभाग के लोगों के साथ ही अन्य क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे। कमेटी इसके लिए पत्राचार कर रही है। कमेटी ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत, सड़क की मरम्मत कराने के लिए संबंधितों को निर्देश जारी करने का अह्वान किया है। आफताब अंसारी ने बताया कि सालाना उर्स में प्रदेश के अनेक मंत्री एवं विधायकों ने शामिल होने की सहमति प्रदान की है।

निधन

आरपी सिंह

बैकुण्ठपुर। स्थानीय भट्ठीपारा निवासी सेवानिवृत शिक्षक आरपी सिंह का आकस्मिक निधन शुक्रवार को हो गया। स्व. सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अंबिकापुर स्थित निजी अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार को अंतिम सांस ली। इनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

जिले में बीते कुछ वर्षों के मुकाबले मलेरिया से होने वाली मौत कम हुई

विश्व मलेरिया दिवस आज

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

मलेरिया के रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इसके लिए पर्याप्त बजट प्रतिवर्ष प्राप्त होता है, वहीं मलेरिया को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि मलेरिया से होने वाली मौत के ऑकड़े को कम किया जा सके। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व भर में मलेरिया दिवस मनाया जाता है, इसके बावजूद प्रतिवर्ष मलेरिया प्रभावित कई लोगों की मौत हो जाती है। हालांकि कोरिया जिले में बीते कुछ वर्षों के मुकाबले मलेरिया से होने वाली मौत कम हुई है, फिर भी कई लोग मलेरिया को लेकर गंभीर नहीं होते, इसके चलते बीमारी जब गंभीर हो जाती है तब अस्पताल पहुंचते हैं, तब स्थिति को संभालने में समय लगता है। जानकारी के अनुसार जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मैदानी अमलों को सतर्क किया हुआ है और सीजन के दौरान मैदानी अमला जांच अभियान भी करती है यही कारण है कि अब मलेरिया बुखार की पहचान समय पर हो जाने के कारण अपने ही क्षेत्र में उपचार मिल जाता है, इसके चलते अब मलेरिया से होने वाली मौतों का ऑकड़ा कम हो गया है। चिकित्सकों का कहना है किसी भी बुखार को साधरण न समझे बुखार होने पर तत्काल अस्पताल पहुंच कर जांच व उपचार कराए, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के लोग किसी भी तरह के बुखार को गंभीरता से नहीं लेते। पहले अपने ग्राम क्षेत्र के झोलाछाप चिकित्सक से उपचार कराते हैं,वहीं कई ग्रामीण परिवार आज भी ऐसे हैं जो बैगा गुनिया के चक्कर में पड़ जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित

स्वास्थ्य विभाग की जनजागरूकता अभियान के बावजूद जिले के शहरी क्षेत्र के मुकाबले

ग्रामीण क्षेत्र के लोग मलेरिया बुखार की चपेट में अधिक आते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप सबसे अधिक होता है। शहरी क्षेत्र के लोग मच्छरों से बचाव के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाते हैं और मलेरिया के लक्षण सामने आते ही तत्काल उपचार कराते हैं, इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्रों के ज्यादातर लोग मच्छरों से बचाव करने को लेकर लापरवाह रहते हैं। यही कारण है कि प्रतिवर्ष ग्रामीण क्षेत्र के लोग ही मलेरिया बुखार से प्रभावित होकर काफी संख्या में अस्पताल पहुंचते हैं।

मेडिकेडेट मच्छरदानी बॉटा विभाग ने

मलेरिया के रोकथाम के लिए जहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान चलाया जाता है, ताकि लोग मच्छरों से होने वाले बीमारी से बचे रहे, इसके अलावा कुछ वर्ष पूर्व स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव-गांव में सुरक्षात्मक उपाय के रूप में लोगों को मेडिकेडेट मच्छरदानी भी निःशुल्क बॉटी बावजूद इसके बरसात के सीजन में ग्रामीण क्षेत्रों से मलेरिया से ज्यादातर लोग प्रभावित होते हैं।

राज्य से आए तकनीकी अधिकारी ने परखी मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में आयुक्त मनरेगा तारण प्रकाश सिन्हा के निर्देशानुसार राज्य कार्यालय में पदस्थ तकनीकी अधिकारी एसके साहू ने 24 अप्रैल को कोरिया जिले में जनपदों का भ्रमण कर योजनाओं के कार्यों का आंकलन किया। दोनों जनपदों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण के बाद देर शाम उन्होंने तीन जिलों की तकनीकी टीम के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। विदित हो कि राज्य कार्यालय द्वारा अधिकारियों को अलग-अलग जिलों के प्रभार आवंटित किए गए हैं और वह प्रतिमाह आकर योजनाओं के क्रियान्वयन की भौतिक जांच कर रहे हैं, इससे कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। राज्य से आए सहायक अभियंता एसके साहू ने कोरिया जिले में जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत मझारटोला में हितग्राही जयसिंह के आजीविका डबरी का निरीक्षण कर हितग्राही से बात की। इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत मधौरा के नवा तरिया स्थल का निरीक्षण किया। जनपद मुख्यालय सोनहत की ग्राम पंचायत तथा रजौली में बने धान चबूतरे के अलावा श्री साहू ने अमृत सरोवर, बोड़ार में बने कंटूर ट्रैंच कार्य, अक्लासरई के बंधवागढ़ा अमृत सरोवर, ग्राम पंचायत किशोरी में बने 30-40 माडल का निरीक्षण किया। जनपद पंचायत सोनहत के बाद उन्होंने बैकुंठपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत सलका में जाकर नवीन आंगनबाड़ी भवन कार्य तथा ग्राम पंचायत जामपारा में बने धान संग्रहण चबूतरा कार्य का अवलोकन किया। सहायक अभियंता श्री साहू को राज्य द्वारा कोरिया जिले के अलावा सूरजपुर तथा एमसीबी जिले में निरीक्षण का दायित्व सौंपा गया है। वह बीते तीन दिनों से निरंतर भ्रमण कर अलग-अलग ग्राम पंचायतों में निरीक्षण कर चुके हैं। 23 अप्रैल की शाम उन्होंने मनरेगा के समस्त तकनीकी टीम के साथ एक समीक्षा बैठक लेकर कार्यों की प्रगति का आंकलन किया। इसके बाद उन्होंने तीनों जिलों से आए समस्त तकनीकी सहायकों को कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस बैठक में सहायक परियोजना अधिकारी व कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल रहे।

नवोदय विद्यालय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर संगोष्ठी

बैकुंठपुर। शिक्षा के साथ वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में ब्रेक थ्रू साइंस सोसायटी कोरिया द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय केनापारा बैकुंठपुर में विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तर्कशीलता, वैज्ञानिक चेतना और अंधविश्वासों से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्रेक थ्रू साइंस सोसायटी की राज्य प्रभारी सुश्री पूजा शर्मा रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक एवं भूतपूर्व छात्र अमरनाथ सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के जिला प्रभारी एवं व्याख्याता कमल डडसेना ने की। विद्यालय प्राचार्य ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य वक्ता पूजा शर्मा ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने भू-केन्द्रित और सौर केन्द्रित सिद्धांत की चर्चा करते हुए बताया कि विज्ञान ने समय के साथ मानव सोच को कैसे बदला है। उन्होंने कॉपरनिकस, न्यूटन, आइंस्टीन और सीवी रमन जैसे महान वैज्ञानिकों के संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि अमरनाथ सिंह ने अपने उद्बोधन में अंधविश्वास और रूढ़ियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से हर बात को तर्क और वैज्ञानिक आधार पर परखने की अपील की।

अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी संकट चिरमिरी में बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज. कोरिया कॉलरी

नगर पालिक निगम चिरमिरी में अव्यवस्थाओं का आलम इस कदर बढ़ गया है कि अब लोगों को अपने परिजन के अंतिम संस्कार के लिए भी जूझना पड़ रहा है। शवदाह के लिए आवश्यक लकड़ी तक स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं होने से लोगों को दूसरे जिलों से लकड़ी मंगवाने को मजबूर होना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार वन विभाग के निस्तार डिपो में महीनों से लकड़ी की आपूर्ति नहीं होने से संकट और गहरा गया है। वहीं नगर निगम ने भी इस जिम्मेदारी से लगभग हाथ खड़े कर दिए हैं, जिससे आम नागरिकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील विषय में इस तरह की लापरवाही ने व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सीमित स्तर पर ही सही, व्यवस्था उपलब्ध रहती थी, लेकिन अब हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि शोक की घड़ी में भी परिवारों को लकड़ी की व्यवस्था के लिए भटकना पड़ रहा है। नगर निगम और वन विभाग दोनों ही इस समस्या के समाधान में असहाय नजर आ रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतने गंभीर मुद्दे पर अब तक जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। लोग आरोप लगा रहे हैं कि जनप्रतिनिधि केवल औपचारिकताओं और फोटोबाजी तक सीमित हैं, जबकि बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल निस्तार डिपो में लकड़ी उपलब्ध कराने, नगर निगम स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने और श्मशान घाटों में जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि दुख की घड़ी में भी यदि अंतिम संस्कार जैसी मूलभूत व्यवस्था के लिए संघर्ष करना पड़े, तो यह प्रशासनिक संवेदनहीनता का बड़ा उदाहरण है। अब बड़ा सवाल यही है कि इस संकट के लिए जिम्मेदार कौन है और प्रशासन इस ओर कब तक गंभीर पहल करेगा।

बाल विवाह रोकने पुसला पंचायत की खास पहल

सूचना देने वाले को मिलेगा 5 हजार पुरस्कार

सोनहत। बाल विवाह रोकथाम को लेकर ग्राम पंचायत पुसला ने सराहनीय पहल करते हुए पंचायत क्षेत्र को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। पंचायत ने बाल विवाह की सूचना देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रूपए पुरस्कार देने की घोषणा की है। पंचायत की ओर से स्पष्ट किया गया है कि बाल विवाह की पूर्व सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा और उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

पंचायत ने इसके लिए 24 घंटे सूचना देने की व्यवस्था भी की है। सरपंच श्रीमती जिला बाई कुजूर ने बताया कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने सामुदायिक सहयोग जरूरी है। इसके लिए सरपंच एवं पंचायत सचिव उजागिर प्रसाद गुप्ता को सूचना दी जा सकती है। इस अभियान को सफल बनाने पंचायत ने पंचगण, वरिष्ठ नागरिकों, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, मैदानी अधिकारियों, ग्रामीण नागरिकों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से सहयोग की अपील की है। पंचायत की इस पहल को बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे सामाजिक जागरूकता के साथ बाल अधिकारों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

प्रत्येक पंचायत कार्यालय भवनों की दीवारों पर अंकित होगा गांवों का जलस्तर

हरिभूमि न्यूज. बैकुण्ठपुर

कोरिया जिले में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जारी मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत एक नई पहल की जाएगी। अब कोरिया जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में आम नागरिकों को वहां का जल स्तर पता होगा। जल संरक्षण और भू-जल स्तर के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर सभी ग्राम पंचायत भवनों की दीवारों पर गांवों के वाटर लेवल जल स्तर की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य आम नागरिकों को उनके क्षेत्र के भू-जल स्तर की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार ग्राम स्तर पर जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया है। कई ग्राम पंचायतों में यह कार्य आरंभ कर दिया गया है। कोरिया जिले के सभी ग्राम पंचायतों में अभी गांवों के जलस्तर से जुड़ी जानकारियां जल-दूत मोबाइल ऐप के माध्यम से संकलित कर पोर्टल पर अपलोड की जा रही हैं। इनका निर्धारित प्रपत्र अनुसार ग्राम पंचायत के कार्यालय भवनों की दीवारों पर लेखन कार्य कर जल स्तर का प्रदर्शन सुनिश्चित किया जाएगा। 24 अप्रैल को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस में इसे सभी भवनों में लिखाए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। आने वाले समय में ग्राम पंचायत के प्रत्येक नागरिक को अपने गांव के भू-जल स्तर की वास्तविक जानकारी मिल पाएगी, इससे ग्राम पंचायतों में आने वाले समय में जल प्रबंधन का बेहतर कार्य हो सकेगा। जिला पंचायत द्वारा जारी पत्र के अनुसार सभी जगह यह जानकारी स्पष्ट और व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चठिरमा में बने राष्ट्रीय स्तर का खेल अकादमी-दिव्या

अम्बिकापुर। सरगुजा जिपं सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ग्राम चठिरमा में क्रिकेट मैदान एवं अकादमी निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध कराने एवं समस्त प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करते हुए विकास कार्य प्रारंभ कराने की मांग रखी है। जिपं सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने ज्ञापन के माध्यम से सरगुजा कलेक्टर को अवगत कराया है कि ग्राम चठिरमा में प्लॉट नंबर 344, 345 एवं 346 का कुल 3.730 हेक्टेयर भूमि है, जिसमें क्रिकेट मैदान एवं अकादमी का निर्माण कराए जाने से क्षेत्र के बच्चों

एवं युवाओं का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। श्रीमती सिसोदिया ने कहा कि इस क्षेत्र में खेल अधोसरंचना का निर्माण न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करेगा, बल्कि इससे क्षेत्र में खेल संस्कृति और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि क्रिकेट संघ न उक्त कार्य हेतु निर्धारित राशि 49,79,550/- की सहमति प्रदान कर दी है, तथा जन भावना के अनुरूप इस परियोजना को प्राथमिकता देना आवश्यक है। ज्ञापन में भूमि आवंटन, नामांतरण तथा निर्माण हेतु सभी अनुमतियां तत्काल पूर्ण करने का अनुरोध किया गया है। श्रीमती सिसोदिया ने कहा कि सरगुजा जिले को यह सौगात शीघ्र मिलेगी और आगामी सत्र से क्षेत्रवासी लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, भाजपा जिला महामंत्री, युवा मोर्चा महामंत्री अनीश सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बड़सरा में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव प्रारंभ

भैयाथान। ग्राम बड़सरा में साहू समाज द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का बुधवार को कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बड़सरा के साहू पारा में समाज के महिला-पुरुष एकत्रित हुए, जहां से भजन गाते हुए कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालु राम मंदिर एवं शिव मंदिर स्थित तालाब

पहुंचे जहां विधि-विधान से पूजन कर कलश में जल भरा गया। इसके पश्चात श्रद्धालु जल लेकर कथा स्थल पहुंचे और विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिवस कथा में कथावाचक पंडित रविंद्र दुबे ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति और सत्कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि इससे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है और आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

पृष्ठ 1 का शेष

विपक्ष का स्वार्थ...

होना था, विपक्ष ने जो किया है, वह देश के सबसे ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के लिए अपनी नफरत और तिरस्कार को सबके सामने ला दिया है और शीर्ष नेतृत्व में नीति निर्धारण करने वाली भूमिकाओं में महिलाओं की काबिलियत पर शक करने की और अपनी महिलाओं से घृणा करने वाली सोच को खुलेआम दिखाया है, कांग्रेस पार्टी ने पारंपरिक रूप से एक साफ महिला-विरोधी रुख बनाए रखा है। विपक्ष पंचायतों में महिलाओं के लिए रिजर्वेशन का झूठा क्रेडिट लेकर अपनी राजनीतिक सोच को छिपाने की कोशिश करता है। वे यह भूल जाते हैं कि वे पंचायतों में रिजर्वेशन के लिए आसानी से मान गए, क्योंकि इससे उनकी अपनी स्थिति को कोई खतरा नहीं था, लेकिन उन्होंने लोकतंत्र के शीर्ष स्तर पर ऐसा नहीं होने दिया। इस अवसर पर संतोष राजवाड़े, शरद नाविक, सीमा साहू, शीतल साहू, तोता रानी सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिपं सीईओ डॉ...

राजेश शुक्ला, उमाशंकर शुक्ला, राजेन्द्र सिंह, साहित्यकार श्री जैन, डॉ.ओंकार साहू, श्रीमती साहू, नरेश सोनी सहित जिले के अनेक वरिष्ठ पत्रकार, वरिष्ठ नागरिक काफी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योगेश गुप्ता, रुद्र कुमार मिश्रा, सुनील शर्मा, आयुष नामदेव, आस्तीक शुक्ला, सचिन शर्मा ने सहयोगी की भूमिका अदा की। इस अवसर पर समाज के बुद्धिजीवियों, साहित्यकार और मीडिया से जुड़े सभी कलमकारों ने उपन्यास को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। 23 अप्रैल की शाम 6 बजे स्थानीय सभागार में आयोजित एक सादे व गरिमामय समारोह में कोरिया जिले में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी जिला पंचायत सीईओ डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी के पहले उपन्यास यक्षिणी का मुख पृष्ठ विमोचन आयोजित किया गया। अतिथियों की उपस्थिति में प्रदेश के विख्यात साहित्यधर्मी आशीष सिंहानियां ने डॉ. चतुर्वेदी से उनके इस कृति की रचनात्मकता, साहित्य के प्रति अनुराग, लेखन की प्रेरणा और वर्तमान परिदृश्य में साहित्य की सकारात्मक भूमिका तथा यक्षिणी के नाम पर विस्तार से चर्चा की और उपस्थित साहित्यप्रेमियों के बीच एक नई उत्सुकता का संचार किया। इस संदर्भ में चर्चा करते हुए सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि उनके लोकसेवक बतौर अलग-अलग क्षेत्रों में बिताए गए कार्यकाल के दौरान प्रकृति से जुड़ाव खासकर मैकल पर्वत श्रृंखलाओं की गहनता में छिपी कई अनकही, अनछुई संवेदनाओं को स्वयं की अनुभूतियों और नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य की कड़ियों को जोड़कर उन्होंने यक्षिणी नामक उपन्यास कलमबद्ध करने का प्रयास किया है। उनके उपन्यास के लेखन का यह क्रम वर्ष 2022 से आरंभ हुआ था और लंबे समय के अथक प्रयास में मैकल की अनुगूंज लिए यह उपन्यास बन पाया है और आज शीर्षक यक्षिणी का आवरण पृष्ठ अनावरण समारोह साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति के बीच करने का अवसर आया है।
डॉ.आशुतोष ने बताया कि प्रदेश की संस्कृति और कला को आगे ले जाने के लिए कोरिया जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल झुमका के तट पर जश्ने जबां कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें देश भर 100 से ज्यादा कलाकार साहित्यकार और लोक संस्कृति के वाहक अपनी सहभागिता देंगे।

युवी संस्कार महाविद्यालय के विद्यार्थियों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

करवां। युवी संस्कार महाविद्यालय लटोरी द्वारा सोशल आउटरीच एवं स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने अम्बिकापुर स्थित जल परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया, केमिस्ट डॉ. केके सिन्हा के निर्देशन में प्रयोगशाला के विशेषज्ञों ने छात्रों को पीएच मान, जल की कठोरता, अशुद्धियों की पहचान तथा अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों की जांच की विधियों को विस्तार से समझाया। छात्रों द्वारा गंगापुर स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया गया। प्रयोगशाला केमिस्ट राकेश कुमार साहू ने मृदा के विभिन्न तत्वों, उसकी संरचना, उर्वरता एवं कृषि में उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए बताया कि किस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन कर फसलों के लिए उपयुक्त उपाय किए जाते हैं।